

ग्री को पर कल से थोड़ा कम

मना आया। पर उसका बालक
प्राग्राम हुई अरुण मरी सार
अकावट हुए सरकी। य हमशा
मैरे दिमाग का धरती को लखे
साथ रहेगा। माग्राम में गीनाकल का
बेचारी न बहुत दुखी, काम किया
इसका बालक समी का उसका शीयना
की अनुसर माइम मिल। रात में

सभी न मिलकर जाना तथा चुटकुले
कहे जो बहुत ही लाजसाव था।